Maharashtra Education Society's

Abasaheb Garware College

(Autonomous)

(Affiliated to Savitribai Phule Pune University)

Two Year M.A. Degree Program in Hindi

(Faculty of Humanities)

Syllabus under Autonomy

M.A. I (Hindi)

Choice Based Credit System Syllabus

To be implemented from the Academic Year, 2022-23

Structure of the Coruse : M.A. I (Hindi)

Admission Eligibility : Any Graduate Complete Hindi

HINDI STRUCTURE
POST GRADUATE

Sr. No	Year	Semester	Course Type	Paper Number	Course Code	Title of Paper	No. of Credits	No. of Lectures
1	MA-I	1	Theory	**HN -C1**	PAHN-111	मध्ययुगीन काव्य	4	60
				HN -C2	PAHN-112	कथा साहित्य	4	60
				HN -C3	PAHN-113	भारतीय काव्यशास्त्र	4	60
				HN-C4	PAHNELE -114A PAHNELE 114B	वैकल्पिक: (क) हिंदी पत्रकारिता (ख) नाटककार मोहन राकेश	4	60
		2	Theory	**HN-C5**	PAHN-121	कथेतर गद्य साहित्य	4	60
				HN-C6	PAHN-122	शोध प्रविधि	4	60
				HN-C7	PAHN-123	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	60
				HN-C8	PAHNELE -124C PAHNELE -124D	वैकल्पिक: (ग)शैली विज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र (घ) हिंदी उपन्यास साहित्य	4	60
2	MA-II	3	Theory	**HN C9**	PAHN-231	आधुनिक काव्य (आदर्शवादी,	4	60

						छायावादी तथा अन्य काव्य)		
				HN-C10	PAHN-232	भाषा विज्ञान	4	60
				HN-C11	PAHN-233	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	4	60
				HN-C12	PAHNELE-234E PAHNELE 234F	वैकल्पिक: (क) हिंदी आलोचना (ख) संचार माध्यम: सिद्धांत और स्वरूप	4	60
		4	Theory	**HN-C13**	PAHN-241	आधुनिक कविता	4	60
				HN-C14	PAHN-242	हिंदी भाषा का विकास	4	60
				HN-C15	PAHN-243	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	60
				HN-C16	PAHNELE-244G PAHNELE 244H	वैकल्पिक : (क) भारतीय लोकसाहित्य (ख) भारतीय साहित्य	4	60

एम. ए. प्रथम वर्ष

प्रथम अयन

कोर्स नं.	**प्रथम अयन**	
1.	मध्ययुगीन काव्य	
2.	कथा साहित्य	
3.	भारतीय काव्यशास्त्र	
4.	वैकल्पिक	
	क)	हिंदी पत्रकारिता
	ख)	नाटककार मोहन राकेश

एम. ए. I हिंदी साहित्य

(प्रथम अयन)

PAHN-111 : मध्ययुगीन काव्य

तासिका : 60 (क्रिडिट- 4)

उद्देश्य :

1. हिंदी की मध्ययुगीन काव्य प्रवृत्तियों का परिचय देना।
2. मध्ययुगीन काव्य प्रवत्तियों की पृष्ठभूमि पर कवि विशेष की रचनाओं का परिचय कराना।
3. तत्कालीन काव्यभाषा की प्रवृत्तियों का परिचय देना।
4. पाठ्यकृतियों के आधार पर काव्य मूल्यांकन की क्षमता का विकास करना।
5. सर्जनात्मक कौशल विकसित करना।

	पाठ्यविषय	**तासिका**
इकाई- I	पूर्वमध्यकालीन काव्य (कबीर/जायसी) कबीर - सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी - (पदसंख्या 160 से 170) कबीर युगीन संदर्भ और काव्य प्रवृत्तियाँ जायसी - पद्मावत नागमती वियोग खण्ड (आरंभ के 10 पद) जायसी की काव्यकला, लोकतत्व	15
इकाई- II	पूर्वमध्यकालीन काव्य (सूरदास/तुलसीदास) सूरदास - भ्रमरगीत सार - सं. रामचंद्र शुक्ल (पद - 21 से 30) सूरदास की काव्यकला, विरह वर्णन, वात्सल्य वर्णन तुलसीदास - रामचरितमानस - उत्तरकाण्ड (आरंभ के 25 दोहे) तुलसीदास की काव्यकला, लोकमंगल, समन्वय, भक्ति, आदर्श कल्पना।	15

इकाई- III	पूर्वमध्यकालीन काव्य (मीरा/रहीम) मीरा - सं. विश्वनाथ त्रिपाठी - (आरंभ के 10 पद) मीरा की काव्यकला, प्रेमतत्व, प्रगतिशीलता, विरह वर्णन रहीम की काव्यकला, नीतितत्व, समन्वय, प्रेमतत्व रहीम (दोहे : 01 से 25)	15
इकाई- IV	उत्तरमध्यकालीन काव्य (बिहारी/घनानंद) बिहारी - बिहारी सतसई - सं. जगन्नाथदास रत्नाकर (दोहा संख्या 01 से 25) बिहारी की काव्यकला, बहुज्ञता, सौंदर्य वर्णन घनानंद - कवित्त सं. विश्वनाथ मिश्र, (कवित्त संख्या 01 से 15) घनानंद की काव्यकला, प्रेमतत्व|	15

अंक विभाजन - पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन-50 (लघुत्तरी परीक्षा- 20, शोध परियोजना-20, प्रस्तुतिकरण-10)

सत्रांत परीक्षा - 50

सत्रांत परीक्षा - प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2022-23 से आगे)

समय 3 घंटे	अंक- 50
प्रश्न : 1 इकाई एक पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 4 इकाई चार पर टिप्पणियां (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 5 बहुविकल्पीय प्रश्न - (12 में से 10)	अंक 10

(चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. जायसी ग्रंथावली - सं. रामचंद्र शुक्ल
4. संक्षिप्त सूरसारगर - सं. डॉ. प्रेमनारायण टंडन
5. मीराबाई की पदावली - सं. परशुराम चतुर्वेदी
6. महाकवि भूषण - सं. भगीरथ प्रसाद दीक्षित
7. काव्य की भूमिका - रामधारी सिंह दीनकर
8. घनानंद कवित्त - चंद्रशेखर मिश्र शास्त्री
9. साहित्य और मानवीय संवेदना - डॉ. सदानंद भोसले
10. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन - प्रो. हरेंद्रप्रताप सिन्हा
11. महाकवि जायसी और उनका काव्य - डॉ. इकबाल अहमद

12. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य - डॉ. शिवसहाय पाठक.

13. जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत

14. पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

15. पद्मावत का काव्य सौंदर्य - डॉ. चंद्रबली पाण्डेय

16. हिंदी के प्रतिनिधि कवि - डॉ. सुरेश अग्रवाल

17. कबीर वचनामत - संपा. डॉ. विजयेंद्र स्नातक. डॉ. रमेशचंद्र मिश्र

18. कबीर साहित्य का चिंतन - संपा. प्रा. दत्तात्रय टिळेकर

19. भारतीय संतों का साहित्यिक योगदान - संपा. संजय महेर, प्रा. शरद कोलते

एम. ए. I हिंदी साहित्य

(प्रथम अयन)

PAHN-112 : कथा साहित्य

तासिका : 60 (क्रिडिट- 4)

उद्देश्य :

1. उपन्यास विधा से अवगत कराना।
2. कहानी विधा से अवगत कराना।
3. पाठ्य रचनाओं में अभिव्यक्त मूल्यों का संप्रेषण करना।
4. आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।
5. सर्जनात्मक कौशल का विकास करना।

	पाठ्यविषय	**तासिका**
इकाई- I	प्रेमचंदोत्तर के परवर्ती उपन्यास का विकासक्रम (2000 तक) बीसवीं सदी की हिंदी कहानी का विकासक्रम (2000 तक)	15
इकाई -II	उपन्यास साहित्य : आपका बंटी - मन्नू भंडारी तात्विक विवेचन, संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15
इकाई -III	कहानी साहित्य : उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी बिसाती - जयशंकर प्रसाद वापसी - उषा प्रियवंदा दुनिया का अनमोल रत्न - प्रेमचंद दादी और रिमोट- सूर्यबाला	15

	संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	
इकाई -IV	कहानी साहित्य : सलाम - ओमप्रकाश वाल्मिकी जंगल गाने लगा - अंकुश्री पक्षी और दीमक - ग. मा. मुक्तिबोध दूसरा ताजमहल - नासिरा शर्मा मांस का दरिया - कमलेश्वर संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15

अंक विभाजन - पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन-50 (लघुत्तरी परीक्षा-20, शोध परियोजना-20, प्रस्तुतिकरण-10)

सत्रांत परीक्षा - 50

सत्रांत परीक्षा - प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2022-23 से आगे)

समय 3 घंटे	अंक- 50
प्रश्न : 1 इकाई एक पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 4 इकाई चार पर टिप्पणियां (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 5 बहुविकल्पीय प्रश्न - (12 में से 10)	अंक 10

(चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. कहानी दशक - संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. आपका बंटी - मन्नू भंडारी
3. आज का हिंदी उपन्यास - डॉ. इंद्रनाथ मदान
4. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यासों की शिल्पविधि : डॉ. सत्यपाल चुघ
5. हिंदी उपन्यास : सौ वर्ष - संपा. रामदरश मिश्र
6. उपन्यास : स्थिति और गति - डॉ. चंद्रकांत बांदीवडेकर
7. नई कहानी के विविध प्रयोग - शशिभूषण पाण्डेय शीतांषु
8. समकालीन हिंदी कहानी - डॉ. पुष्पपाल सिंह
9. नयी कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा
10. आधुनिक कविता यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी
11. चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य का अनुशीलन - डॉ. गोरख थोरात

12.कालजयी साहित्य और हिंदी कहानी - डॉ. राजेंद्र खैरनार

13.रामदरश मिश्र के उपन्यासों में ग्रामीण परिवेश - डॉ. अनिल काळे

14.मार्कण्डेय का कथासाहित्य और ग्रामीण सरोकार - डॉ. जिभाऊ शा. मोरे

15.समकालीन हिंदी उपन्यास : वर्ग एवं वर्ण संघर्ष - डॉ. जालिंदर इंगळे

16.सूरजपाल चौहान कृत 'नया ब्राह्मण' एक अनुशीलन - डॉ. प्रदीप सरवदे

17.नासिरा शर्मा एवं सानिया के कथा साहित्य में स्त्री विमर्श - डॉ. महेश दवंगे

18.हिंदी उपन्यास का इतिहास- गोपालराय

19.हिंदी कहानी का इतिहास- गोपालराय

एम. ए. I हिंदी साहित्य

(प्रथम अयन)

PAHN-113 : भारतीय काव्यशास्त्र

तासिका : 60 (क्रिडिट- 4)

उद्देश्य :

1. भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
2. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदायों से अवगत कराना।
3. रचना वैशिष्ट्य और मूल्यबोध को परखने की क्षमता को विकसित करना।
4. आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित करना।

	पाठ्यविषय	**तासिका**
इकाई- I	भारतीय काव्यशास्त्र का विकासक्रम काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य गुण, काव्यदोष रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस के अंग, रस निष्पति के सिद्धांत (भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनव गुप्त) साधारणीकरण की अवधारणा।	15
इकाई -II	अलंकार सिद्धांत : परिभाषा, स्वरूप, अलंकार के भेद। काव्य में अलंकार का महत्व। रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति के भेद, काव्य-गुण, रीति एवं शैली।	15
इकाई -III	वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति भेद। ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत के प्रमुख भेद, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।	15

इकाई -IV	औचित्य सिद्धांत : औचित्य सिद्धांत का स्वरूप औचित्य के भेद, काव्य में औचित्य की अनिवार्यता।	15

अंक विभाजन - पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन-50 (लघुत्तरी परीक्षा-20, शोध परियोजना-20, प्रस्तुतिकरण-10)

सत्रांत परीक्षा - 50

सत्रांत परीक्षा - प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2022-23 से आगे)

समय 3 घंटे	अंक- 50
प्रश्न : 1 इकाई एक पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 4 इकाई चार पर टिप्पणियां (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 5 बहुविकल्पीय प्रश्न - (12 में से 10)	अंक 10

(चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र - आ. बलदेव उपाध्याय
2. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (खंड 1 और 2) - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
3. काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेंद्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी
5. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र
6. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. योगेंद्र प्रतापसिंह
7. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
9. विश्वसाहित्य शास्त्र - सं. नगेंद्र
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन- डॉ. बच्चन सिंह.
11. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. सुरेशकुमार जैन. प्रा. महावीर कंडारकर.
12. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी.
13. भारतीय काव्यशास्त्र- (खंड-1 और 2)- आचार्य बलदेव उपाध्याय

एम. ए. I हिंदी साहित्य

(प्रथम अयन)

PAHNELE-114 : वैकल्पिक (क) हिंदी पत्रकारिता

तासिका : 60 (क्रिडिट- 4)

उद्देश्य :

1. पत्रकारिता की भाषा-प्रयुक्ति का परिचय देना।
2. हिंदी भाषा और साहित्य के विकास में हिंदी पत्र-पत्रकाओं के योगदान से परिचित कराना।
3. पत्रकारिता का कौशल विकसित करना।
4. रोजगारपरक दृष्टि का विकास करना।

	पाठ्यविषय	**तासिका**
इकाई- I	पत्रकारिता-स्वरूप, परिभाषा एवं उद्देश्य, पत्रकारीता की विशेषताएँ प्रेस कानून एवं आचार संहिता।	15
इकाई -II	समाचार संकलन, समाचार के स्रोत, समाचार अनुवर्तन समाचार समितियों की भूमिका संवाददाता और जनसंपर्क।	15
इकाई -III	पत्रकारिता लेखन समाचार फीचर	15

	संपादकीय अग्रलेख रिपोर्टिंग साक्षात्कार समीक्षा|	
इकाई -IV	मुद्रण एवं संपादन कला मुद्रण में कंप्यूटर का प्रयोग समाचारेतर सामग्री का संपादन शीर्षक, प्रूफ रीडिंग, ले आउट एवं साज-सज्जा, भाषा किसी एक विषय का (कृषि, विज्ञान, फिल्म, क्रीडा पत्रकारिता) भाषागत अध्ययन विश्लेषण।	15

अंक विभाजन - पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन-50 (लघुत्तरी परीक्षा-20, शोध परियोजना-20, प्रस्तुतिकरण-10)

सत्रांत परीक्षा- 50

सत्रांत परीक्षा - प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2022-23 से आगे)

समय 3 घंटे	अंक- 50
प्रश्न : 1 इकाई एक पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 4 इकाई चार पर टिप्पणियां (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 5 बहुविकल्पीय प्रश्न - (12 में से 10)	अंक 10

(चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास - कृष्ण बिहारी मिश्र
2. समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे - राजकिशोर
3. आज की हिंदी पत्रकारिता - सुरेश निर्मल
4. पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा - अलोक मेहता
5. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला - हरिमोहन
6. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संरचना - चंद्रदेव यादव
7. संपादन पृष्ठ सज्जा और मुद्रण - प्रो. रमेश जैन
8. पत्रकारिता और संपादन कला - प्रेमनाथ राय
9. फीचर लेखन : सृष्टि - डॉ. पूरन चंद।
10. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास - अर्जुन तिवारी
11. हिंदी पत्रकारिता': स्वरूप एवं संदर्भ - विनोद गोदरे
12. समाचार पत्र प्रबंधन - सं. अरविंद चतुर्वेदी

13. हिंदी में रोजगार की संभावनाएँ - संपा. शहाबुद्दीन शेख, डॉ. दस्तगीर देशमुख तथा डॉ. लियाकत शेख
14. समाचार संपादन - सं. रामशरण जोशी
15. आधुनिक पत्रकारिता एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया - डॉ. जालिंदर इंगळे
16. भेटवार्ता और प्रेस कान्फ्रेंस - सं. नंदकिशोर त्रिखा
17. पत्रकारिता के सिद्धांत - डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी
18. पत्रकारिता : प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि - सुजाता वर्मा
19. हिंदी पत्रकारिता - कृष्ण बिहारी मिश्र

एम. ए. I हिंदी साहित्य

(प्रथम अयन)

PAHNELE-114 : वैकल्पिक (ख) नाटककार मोहन राकेश

तासिका : 60 (क्रिडिट- 4)

उद्देश्य :

1. नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचय कराना।
2. नाटक के रचनाविधान और रंगमंच से परिचय कराना।
3. हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास का परिचय देना।
4. मोहन राकेश के नाटकों के दवारा नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित करना।
5. नाट्याभिनय कौशल को विकसित करना।

	पाठ्यविषय	**तासिका**
इकाई- I	नाटक - अर्थ, स्वरूप, परिभाषा नाटक के तत्व हिंदी रंगमंच का विकासक्रम नाटक की पाश्चात्य परंपरा	15
इकाई-II	निर्धारित नाटक आषाढ़ का एक दिन कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।	15

इकाई -III	निर्धारित नाटक लहरों के राजहंस कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।	15
इकाई -IV	निर्धारित नाटक आधे अधूरे कथ्यगत अध्ययन रंगमंचीय अध्यन तात्विक मूल्यांकन।	15

अंक विभाजन - पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन-50 (लघुत्तरी परीक्षा-20, शोध परियोजना-20, प्रस्तुतिकरण-10)

सत्रांत परीक्षा - 50

सत्रांत परीक्षा - प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2022-23 से आगे)

समय 3 घंटे	अंक- 50
प्रश्न : 1 इकाई एक पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 4 इकाई चार पर टिप्पणियां (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 5 बहुविकल्पीय प्रश्न - (12 में से 10)	अंक 10

(चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. आषाढ़ का एक दिन -मोहन राकेश
2. लहरों के राजहंस -मोहन राकेश
3. आधे अधूरे - मोहन राकेश
4. नाटक और रंगमंच - संपा. गिरिश रस्तोगी
5. रंग दर्शन - नेमिचंद्र जैन
6. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा
7. हिंदी नाटक - बच्चन सिंह
8. हिंदी नाट्य विमर्श - संपा. सदानंद भोसले
9. रंगभाषा - नमिचंद्र जैन
10. पारसी थियेटर उद्भव और विकास - सोमनाथ गुप्त
11. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र - देवराज अंकुर
12. बीसवीं शताब्दी का रंगकर्म - डॉ. लवकुमार

13. नाट्यालोचन - डॉ. माधव सोनटक्के

14. नाट्यचिंतन और रंगदर्शन अंतःसंबंध - गिरिश रस्तोगी

15. रंगमंच -बलवंत गार्गी

16. बीसवी शताब्दी का हिंदी रंगमंच -शशिप्रभा अत्री

17. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र -देवेन्द्रराज अंकुर

18. मोहन राकेश : रंग-शिल्प और प्रदर्शन - जयदेव तनेजा

19. मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरीश रस्तोगी

एम. ए. प्रथम वर्ष (साहित्य)
द्वितीय अयन

कोर्स नं.	**द्वितीय अयन**	
1.	कथेतर गद्य साहित्य	
2.	शोध प्रविधि	
3.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	
4.	वैकल्पिक	
	ग)	शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र
	घ)	हिंदी उपन्यास साहित्य

एम. ए. I हिंदी साहित्य

(द्वितीय अयन)

PAHN-121 : कथेतर गद्य साहित्य

तासिका : 60 (क्रिडिट- 4)

उद्देश्य :

1. व्यंग्य, निबंध, रेखाचित्र और संस्मरण विधा से अवगत करना।
2. पाठ्य विधाओं का भाषिक अध्ययन करवाना।
3. मौलिक लेखन कौशल विकसित करना।

	पाठ्यविषय	**तासिका**
इकाई- I	**आत्मकथा साहित्य :** हिंदी दलित आत्मकथा : उद्भव एवं विकास मुर्दहिया- तुलसीराम आलोचनात्मक अध्ययन अंतर्वस्तु/ भाषागत अध्ययन।	15
इकाई -II	**निबंध साहित्य :** आचरण की सभ्यता- सरदार पूर्णसिंह लेखक और जनता - डॉ. रामविलास शर्मा नाखुन क्यों बढ़े है- हजारीप्रसाद द्विवेदी मेरे राम का मुकुट भीग रहा है- विद्यानिवास मिश्र संस्कृति और सौंदर्य- नामवर सिंह विशेषताएँ, आलोचनात्मक अध्ययन, अंर्तवस्तु, भाषागत अध्ययन।	15

इकाई -III	**रेखाचित्र साहित्य :** माटी की मूरतें - रामवृक्ष बेनीपुरी स्वरूपगत अध्ययन आलोचनात्मक अध्ययन अंर्तवस्तु, भाषागत अध्ययन।	15
इकाई -IV	**व्यंग्य साहित्य :** भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई स्वरूपगत अध्ययन, आलोचनात्मक अध्ययन, अंतर्वस्तु, भाषागत अध्ययन	15

अंक विभाजन - पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन-50 (लघुत्तरी परीक्षा-20, शोध परियोजना-20, प्रस्तुतिकरण-10)

सत्रांत परीक्षा - 50

सत्रांत परीक्षा - प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2022-23 से आगे)

समय 3 घंटे	अंक- 50
प्रश्न : 1 इकाई एक पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 4 इकाई चार पर टिप्पणियां (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 5 बहुविकल्पीय प्रश्न - (12 में से 10)	अंक 10

(चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. निबंध वैभव- संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
2. मुर्दहिया - तुलसीराम
3. माटी की मूरतें - रामवृक्ष बेनिपुरी
4. याद हो की न हो - काशीनाथ सिंह

एम. ए. I हिंदी साहित्य

(द्वितीय अयन)

PAHN-122 : शोध प्रविधि

तासिका : 60 (क्रिडिट- 4)

उद्देश्य :

1. छात्रों को शोध प्रविधि से अवगत कराना।
2. शोध दृष्टि का विकास करना।
3. नये शोध-प्रावाहों से परिचय कराना।
4. शोध प्रक्रिया एवं शोधप्रबंध लेखन कौशल विकसित करना।

	पाठ्यविषय	**तासिका**
इकाई- I	शोध का स्वरूप शोध के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य शोध की विभिन्न परिभाषाएँ और उनका विश्लेषण शोध के उद्देश्य, शोध की विवेचन पद्धति- वस्तुनिष्ठ, तर्कसंगति, प्रमाणबद्धता।	15
इकाई- II	शोध के मूलतत्व : शोध और आलोचना शोध के भेद : साहित्यिक, साहित्येत्तर साहित्यिक शोध के भेद : वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, अंतर्विद्याशाखीय।	15
इकाई- III	**शोध प्रक्रिया :** शोधछात्र के गुण, शोध निदेशक के गुण विषय चयन, सामग्री संकलन के स्रोत मूल, सहायक हस्तलेख संकलन एवं उपयोगिता, तर्क पद्धति : निगमनात्मक पद्धति (Deductive Method) और आगमनात्मक पद्धति (Inductive Method)|	15

	विवेचन, निष्कर्ष, स्थापना।	
इकाई -IV	**शोध-प्रबंध लेखन प्रणाली :** शोध प्रबंध, शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ, संदर्भ सूची, MLA पद्धति (Modern language Association), सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, वर्तनी सुधार, टंकण, यूनिकोड परिचय, प्लॅगीरिझम।	15

अंक विभाजन - पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन-50 (लघुत्तरी परीक्षा- 20, शोध परियोजना-20, प्रस्तुतिकरण-10)

सत्रांत परीक्षा - 50

सत्रांत परीक्षा - प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2022-23 से आगे)

समय 3 घंटे	अंक- 50
प्रश्न : 1 इकाई एक पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 4 इकाई चार पर टिप्पणियां (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 5 बहुविकल्पीय प्रश्न - (12 में से 10)	अंक 10

(चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. शोधतंत्र और सिद्धांत - शैलकुमारी
2. शोध प्रविधि - डॉ. विनयमोहन शर्मा
3. अनुसंधान की प्रक्रिया - डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
4. अनुसंधान प्रविधि - सुरेशचंद्र निर्मल
5. अनुसंधान के तत्व - विश्वनाथप्रसाद मिश्र
6. शोध प्रविधि - डॉ. विनयमोहन शर्मा

एम. ए. I हिंदी साहित्य

(द्वितीय अयन)

PAHN-123 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

तासिका : 60 (क्रिडिट- 4)

उद्देश्य :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
2. पाश्चात्य चिंतकों के चिंतन, सिद्धांत और प्रमुख आंदोलनों से अवगत करना।
3. छात्रों को सृजन, आस्वादन एवं आलोचना दृष्टि देना।

	पाठ्यविषय	**तासिका**
इकाई- I	पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासक्रम सुकरान के काव्य संबंधी विचार प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत : त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धांत	15
इकाई- II	वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत। कॉलरिज का कल्पना और फैंट्सी सिद्धांत उदात्त के अंतरंग और बहिरंग तत्व लोंजाइनस का उदात्त सिद्धांत काव्य में उदात्त का महत्व।	15
इकाई- III	टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, वस्तुनिष्ठ समीकरण।	15

इकाई -IV	आई. ए. रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धांत संप्रेषण सिद्धांत, काव्य भाषा सिद्धांत, व्यवहारिक आलोचना|	15

अंक विभाजन - पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन-50 (लघुत्तरी परीक्षा-20, शोध परियोजना-20, प्रस्तुतिकरण-10)

सत्रांत परीक्षा - 50

सत्रांत परीक्षा - प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2022-23 से आगे)

समय 3 घंटे	अंक- 50
प्रश्न : 1 इकाई एक पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 4 इकाई चार पर टिप्पणियां (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 5 बहुविकल्पीय प्रश्न - (12 में से 10)	अंक 10

(चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
2. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र - गोपीचंद नारंग
3. आधुनिक परिवेश और अस्तित्वाद - शिवप्रसाद सिंह
4. अस्तित्ववाद और मानववाद - ज्यॉ पाल सात्र
5. उत्तर-आधुनिकतावाद और उत्तर-संरचनावाद - सुधीर पचौरी
6. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा - निर्मला जैन
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ - सत्यदेव मिश्र
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिदधांत - मैथिलीप्रसाद भारद्वाज
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास सिद्धांत और वाद - डॉ. भगीरथ मिश्र
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन- डॉ. बच्चनसिंह
11. अरस्तु का काव्यशास्त्र - डॉ. नगेंद्र
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेंद्रनाथ शर्मा
13. विश्व साहित्यशास्त्र - सं. डॉ. नगेंद्र

एम. ए. I हिंदी साहित्य

(द्वितीय अयन)

PAHNELE-124 : वैकल्पिक (ग) शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र

तासिका : 60 (क्रिडिट- 4)

उद्देश्य :

1. शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र के स्वरूप क्षेत्र और विकास का परिचय देना।
2. शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र के तत्वों का परिचय देना।
3. पाश्चात्य एवं भारतीय चिंतकों के चिंतनधारा का परिचय देना।
4. छात्रों में सौंदर्य दृष्टि का विकास करना।

	पाठ्यविषय	**तासिका**
इकाई- I	शैली- अर्थ, परिभाषा, स्वरूप शैली और शैलीविज्ञान, शैली विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप शैली और साहित्य शैली तत्व।	15
इकाई- II	शैलीविज्ञान और अन्य ज्ञानशाखाएँ, भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, सौंदर्यशास्त्र।	15
इकाई- III	सौंदर्य : अवधारणा एवं स्वरूप, सौंदर्य और साहित्य का अंतःसंबंध सौदर्य की कलावादी दृष्टि सौंदर्य के उपादान| सौंदर्यशास्त्र : विविध मान्यताएँ	15
इकाई- IV	सौंदर्यशास्त्र : स्वरूप एवं व्याप्ति	15

	सौंदर्यबोध और रसानुभूति का परस्पर संबंध एवं अंतर साहित्य का सौंदर्य बोध, सौंदर्यशास्त्र के उपादान| सौंदर्यशास्त्र का अन्यशास्त्रों से संबंध : दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, कलाविज्ञान।	

अंक विभाजन- पूर्णांक: 100

आंतरिक मूल्यांकन-50 (लघुत्तरी परीक्षा-20, शोध परियोजना-20, प्रस्तुतिकरण - 10)

सत्रांत परीक्षा- 50

सत्रांत परीक्षा - प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2022-23 से आगे)

समय 3 घंटे	अंक- 50
प्रश्न : 1 इकाई एक पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 4 इकाई चार पर टिप्पणियां (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 5 बहुविकल्पीय प्रश्न - (12 में से 10)	अंक 10

(चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. शैली विज्ञान - डॉ. नगेंद्र
2. शैली विज्ञान - डॉ. सुरेश कुमार
3. शैली विज्ञान : प्रतिमान और विश्लेषण - डॉ. शशिभूषण शीतांषु
4. सौंदर्यशास्त्र के तत्व - डॉ. विमल कुमार
5. रससिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र - डॉ. निर्मला जैन
6. अथातो सौंदर्य जिज्ञासा - डॉ. रमेश कुंतल मेघ
7. सौंदर्यतत्व निरुपण - एस. टी. नरसिंहचारी
8. सौंदर्यशास्त्री की पाश्चात्य परंपरा - नीलकांत
9. भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा - डॉ. रूपाली चौधरी

एम. ए. I हिंदी साहित्य

(द्वितीय अयन)

PAHNELE-124 : वैकल्पिक (घ) हिंदी उपन्यास साहित्य

तासिका : 60 (क्रिडिट- 4)

उद्देश्य :

1. हिंदी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम एवं प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
2. उपन्यासों के आस्वादन, अध्ययन की क्षमता विकसित करना।
3. पाठ्य रचनाओं में प्रस्तुत साहित्यिक मूल्यों का संप्रेषण करना।
4. मूल्यांकन की दृष्टि का विकास करना।

	पाठ्यविषय	**तासिका**
इकाई- I	तमस - भीष्म साहनी संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15
इकाई- II	छप्पर - जयप्रकाश कर्दम संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन। |	15
इकाई- III	नालासोपारा - चित्रा मुद्गल संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15
इकाई -IV	ग्लोबल गांव के देवता - रनेंद्र संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।	15

अंक विभाजन - पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन-50 (लघुत्तरी परीक्षा-20, शोध परियोजना-20, प्रस्तुतिकरण-10)

सत्रांत परीक्ष-50

सत्रांत परीक्षा - प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2022-23 से आगे)

समय 3 घंटे	अंक- 50
प्रश्न : 1 इकाई एक पर लघुत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 2 इकाई दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 3 इकाई तीन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक)	अंक 10
प्रश्न : 4 इकाई चार पर टिप्पणियां (चार में से दो)	अंक 10
प्रश्न : 5 बहुविकल्पीय प्रश्न - (12 में से 10)	अंक 10

(चार में से एक सही विकल्प का चयन कीजिए।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. तमस - भीष्म साहनी
2. छप्पर - जयप्रकाश कर्दम
3. नालासोपारा - चित्रा मुद्गल
4. ग्लोबल गांव के देवता - रनेंद्र
5. आधुनिक हिंदी उपन्यास 2 - नामवर सिंह
6. हिंदी उपन्यास : सौ वर्ष - संपा. रामदरश मिश्र
7. उपन्यास : स्थिति और गति -- डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
8. आज का हिंदी उपन्यास - डॉ. इंद्रनाथ मदान
9. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य - डॉ. राजेंद्र खैरनार